वर्ष-11 | अंक- 02 | भोपाल, 01 सितंबर से 07 सितंबर 2025 तक

पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मूल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए प्रतिबद्ध : मोहन

मुख्यमंत्री की पहल पर हुई ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने सर्वदलीय बैठक

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का विषय सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। प्रदेश में सभी राजनीतिक दल अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए सहमत हैं। विभिन्न पक्षों के अधिवक्ता इस विषय में न्यायालय के सामने अपने-अपने बिन्दु रख रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण विषय पर 22 सितम्बर से प्रतिदिन सुनवाई करेगा। इस विषय पर सभी दलों की सहमति हो, इस संबंध में गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर सर्वदलीय बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से संकल्प पारित किया गया कि इस विषय में सभी दल एकजुट होकर एक फोरम पर आएंगे और विभिन्न पक्षों के अधिवक्तागण भी 10 सितम्बर तक एक साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के संबंध में मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई सर्वदलीय बैठक के बाद जारी अपने संदेश में यह बात कही।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी राजनीतिक दल एक मत से राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों को 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए कटिबद्ध हैं। प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों को राज्य शासन और उसके विभिन्न घटकों द्वारा की गई चयन प्रक्रिया में विभिन्न न्यायिक आदेशों के फलस्वरूप नियुक्ति आदेश जारी किए जाने से वंचित शेष 13 प्रतिशत अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए जाने सभी दल एकजुट होकर इसे क्रियान्वित करने के लिए विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के सभी फोरम पर मिलकर प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुसार हरसंभव प्रयास किए हैं। जिन विभागों में गुंजाइश थी उन सभी विभागों में आरक्षण देने में सरकार पीछे नहीं रही। कई विभाग जिनमें स्टे नहीं था, जैसे लोक निर्माण विभाग आदि में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इस विषय में राज्य सरकार वरिष्ठतम अधिवक्ताओं की सलाह लेने और राज्य सरकार का पक्ष रखने में उनका सहयोग लेने के लिए वर्तमान में भी सहमत और तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग को

उनका हक दिलाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर हो रही जातिगत जनगणना से भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस विषय पर सर्वदलीय बैठक आयोजित करने की पहल की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सराहना की। सर्वदलीय बैठक में शामिल सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों और सदस्यों ने अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस श्री जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक श्री उमंग सिंघार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस श्री अरूण यादव, प्रदेश अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी श्री रमाकांत पिप्पल, प्रदेश अध्यक्ष समाजवाद पार्टी श्री मनोज यादव, प्रदेश अध्यक्ष गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एवं विधायक श्री तलेश्वर सिंह मरकाम, प्रदेश अध्यक्ष आम आदमी पार्टी एवं महापौर नगर पालिक निगम सिंगरौली श्रीमती रानी अग्रवाल, भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के श्री जे.पी दुबे, पूर्व मंत्री श्री कमलेश्वर पटेल तथा अधिवक्ता श्री वरूण ठाकुर उपस्थित थे। बैठक में पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग श्री रामकृष्ण कुसमारिया, विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष भाजपा श्री हेमंत खंडेलवाल, सतना सांसद श्री गणेश सिंह तथा विधायक श्री प्रदीप शामिल हुए। बैठक में एडवोकेट जनरल श्री प्रशांत सिंह ने वर्चुअली सहभागिता की। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, प्रमुख सचिव विधि श्री एन.पी. सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने सर्वदलीय बैठक को स्वागत योग्य पहल बताया। समाजवाटी पार्टी के श्री मनोज यादव ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग को उनका अधिकार मिलना चाहिए। पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री हेमंत खंडलवाल तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के श्री जे.पी. दुबे ने भी अपने विचार रखे।

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए शिक्षा एवं सेवाओं में आरक्षण 27 प्रतिशत किए जाने संबंधी जानकारी

दिनांक 08 मार्च 2019 को म.प्र. शासन द्वारा अध्यादेश जारी कर अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए शिक्षा एवं सेवाओं में आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया गया। दिनांक 14 अगस्त 2019 को विधानसभा में विधेयक पारित कर इसे कानून के रूप में लागू किया गया।

वर्तमान में 19 मार्च 2019 को दायर 5901/2019 (आशिता दुबे विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन) सहित 40 से अधिक प्रकरण उच्चतर न्यायालयों में प्रचलन में हैं, जिनमें मूलत: अंतरिम आदेश द्वारा अध्यादेश/अधिनियम में 14 प्रतिशत से अधिक आरक्षण के क्रियान्वयन पर रोक लगाई गई है, परंतु अधिनियम की वैधानिकता पर न्यायालय द्वारा कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई है। अत: उपरोक्त अधिनियम आज की स्थिति में वैधानिक है एवं इसकी वैधानिकता पर वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में याचिका क्रमांक . 606/2025 में अंतिम सुनवाई 22 सितंबर 2025 से प्रारंभ होना नियत है। दिनांक 19 मार्च 2019 को दायर याचिका 5901/2019 (आशिता दुबे विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन) में अंतरिम आदेश द्वारा अध्यादेश के आधार पर 14 प्रतिशत से अधिक आरक्षण महाविद्यालय में प्रवेश के दौरान न देने के निर्देश दिये। (चिकित्सा शिक्षा विभाग) -25181/2019, .-8923/2020 एवं 40 अन्य याचिकाओं में 27 प्रतिशत आरक्षण के साथ प्रकाशित विज्ञापनों (यथा पर रोक लगाई गई। उपरोक्त प्रकरणों में समय-समय पर पारित अंतरिम आदेश के कारण प्रावधानित 27 प्रतिशत अन्य पिछडा वर्ग आरक्षण का क्रियान्वयन प्रायोगिक रूप से संभव नहीं हो पाया है। शासन द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर में प्रचलित-8923/2020 एवं 40 अन्य याचिकाओं को 5901/2019 के साथ सम्मिलित कराया गया। उपरोक्त याचिकाओं में पारित अंतरिम आदेशों के म ?देनजर महाधिवक्ता के माध्यम से मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रभावी प्रतिरक्षण की कार्यवाही सुनिश्चित की गई। दिनांक 29 सितबंर 2022 को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग को परीक्षा परिणाम दो भागों में, 87 प्रतिशत पदों पर मुख्य तथा 13 प्रतिशत पदों पर प्रावधिक परिणाम घोषित करने के निर्देश जारी किये गए। दिनांक 27 जनवरी 2024 को सामान्य प्रशासन विभाग ?द्वारा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड को परीक्षा परिणाम दो भागों में, 87 प्रतिशत पदों पर मुख्य तथा 13 प्रतिशत पदों पर प्रावधिक परिणाम घोषित करने के निर्देश जारी किये गए। 50 प्रतिशत की उपरोक्त सीमा के संबंध में विद्यमान असाधारण परिस्थितियों का विवरण/विश्लेषण का आधार अधिनियम में स्पष्ट नहीं है। अधिनियम के प्रभावी प्रतिरक्षण का सशक्त प्रयास मध्यप्रदेश शासन द्वारा महाधिवक्ता के माध्यम से किया जा रहा है। दिनांक 02 सितंबर 2021 को मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन किया गया। मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के उद्देश्य अनुसार - पिछड़े वर्गों की सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक प्रस्थिति, इस वर्ग के पिछड़ेपन के कारणों के अध्ययन हेतु शासन आदेश दिनांक 06/10/2023 द्वारा दो सदस्यों की नियुक्ति की गई।

2 साप्ताहिक न्यूज क्राइम फाइल
भोपाल, 01 सितंबर से 07 सितंबर 2025

राजधानी भोपाल स्थित तात्या टोपे स्टेडियम में आयोजित 15वीं एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हमारी रहली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पिपरिया वैध(हिलगन) के प्रतिभाशाली खिलाड़ी सुशील पाण्डेय ने पूरे प्रदेश में गौरव बढ़ाया है।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

लूट के लिए तीन महीने किसान के साथ रहा हत्यारा

किसान के अंधेकत्ल का पर्दाफाश

न्यूज क्राइम फाइल

बैरसिया के सुंदरपुरा गांव के पास जंगल में विदिशा के किसान 64 वर्षीय मोकेम सिंह यादव की गमछे से गला घोंटकर की गई हत्या का खुलासा पुलिस ने कर दिया। किसान के मोहल्ले में रहने वाले एक युवक ने ही रुपए लूटने के लालच में बुजुर्ग की हत्या की थी। युवक ने तीन महीने तक किसान के साथ रहकर भरोसा जीता और फिर वारदात को अंजाम दिया। आरोपी को पता था कि किसान हमेशा अपनी जेब में 20-30 हजार रुपए नगद रखता है। इसलिए वह हर जगह उसके साथ जाता था। फिर वह बैरसिया चलने का झांसा देकर किसान को सुंदरपुरा गांव तक सुनसान स्थान पर ले गया और मौका मिलते ही हत्या कर दी। हत्या करने के बाद उसने किसान की जेब से 33 हजार 400 रुपए निकाल लिए थे।

झाड़ियों में मिली थी किसान की लाश

पुलिस के मुताबिक 26 अगस्त को सूचना मिली कि सिरोंज-विदिशा रोड पर ग्राम सुंदरपुरा गांव के पास जंगल में सड़क किनारे मंशाराम के खेत के पास एक व्यक्ति की लाश झाड़ियों में पड़ी है। उसकी नाक व मुंह से खून बह रहा है और गले में गमछा कसा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी वीरेन्द्र सेन बल के साथ मौके पर पहुंच गए। लाश के पास बिखरे आधार कार्ड व फोटो से मृतक की पहचान किसान मोकेम सिंह यादव (64) निवासी ग्राम पीपलधार जिला विदिशा के रूप में हुई। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल का मौका-मुआयना करने के बाद बताया कि यह निर्मम तरीके से किए गए अंधेकत्ल का मामला है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई। लिहाजा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

तीन महीने से अधिक नजदीकी बढ़ा ली आरोपी ने

मृतक की पहचान होने के बाद पुलिस की टीम ग्राम पीपलधार जिला विदिशा पहुंची। पूछताछ में पता चला कि करीब तीन माह से मोकेम सिंह का गांव में रहने वाले दिनेश के साथ ज्यादा उठना-बैठना हो गया था। लिहाजा पुलिस ने दिनेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने मोकेम सिंह की हत्या करना कुबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी दिनेश अहिरवार (28) निवासी निवासी ग्राम पीपलधार जिला विदिशा, को विधि रूप से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 33 हजार 400 रुपए नगद बरामद कर लिए।

लूट के लिए रची थी पूरी साजिश

पुलिस ने बताया कि मोकेम सिंह यादव आर्थिक रूप से संपन्न किसान और गांव के प्रतिष्ठित व्यक्ति थे। उन्हें घूमने-फिरने का शौक था। वह शराब नहीं पीते थे लेकिन खाने के शौकीन थे। कुछ दिन पूर्व ही उन्होंने अपनी कीमती जमीन करीब एक करोड़ रुपए में बेची थी। आरोपी दिनेश को इस बात की जानकारी थी। मोकेम सिंह के पास रखे पैसे लूटने के लालच में आरोपी ने हत्याकांड को अंजाम देने की योजना बनाई। घटना वाली रात मोकेम सिंह को बैरसिया में खाना खिलाने का झांसा देकर दिनेश अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम सुंदरपुरा के पास सूनी जगह पर ले गया।

नहीं पता था दूसरी जेब में 21 हजार रुपए थे

वहां उसने बुजुर्ग के साथ जमकर मारपीट की और फिर गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी दिनेश ने मृतक की जेब से 33 हजार 400 रुपए नगद निकाल लिए और घटनास्थल से फरार हो गया, लेकिन आभास नहीं था कि मोकेम सिंह की दूसरी जेब में करीब 21 हजार रुपए रखे हैं।

सौजन्य भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से दिल्ली स्थित आवास में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने सौजन्य भेंट की।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी द्वारा प्रारंभ की गई वित्तीय समावेशन की प्रेरणादायी यात्रा प्रधानमंत्री जन धन योजना के 11 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने की सभी को हार्दिक बधाई!
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

भोपाल में युवक का मोबाइल झपटकर भागे बदमाश: बाइक सवारों ने दिया वारदात को अंजाम, बागसेवनिया पुलिस ने शुरू की जांच

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के बागसेवनिया में मोबाइल फोन पर बात करते हुए घर के बाहर टहल रहे युवक के हाथ से बाइकसवार बदमाशों ने फोन छीन लिया। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ झपटमारी का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मुकुल पटेल (24) कर्मवीर नगर

पिपलानी में रहता है। वह अपने पिता के साथ कारोबार में मदद करता है। शुक्रवार की सुबह मुकुल अपने घर के बाहर किसी से मोबाइल पर बातचीत करते हुए टहल रहा था। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर पहुंचे दो बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और भाग निकले। मुकुल के शोर मचाने पर कुछ लोगों ने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों बदमाश भागने में सफल रहे। फरियादी के बताए हुलिए के आधार पर उनकी तलाश कर रही है।

इंदौर में कुत्ते खा गए बुजुर्ग के हाथ-पैर, मुंह नोंचा

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के भिश्ती मोहल्ला में खंडहरनुमा मकान से बुजुर्ग का शव मिला है। इसे कुत्ते नोंच रहे थे। वे आधा शव खा चुके थे। बुजुर्ग का प्रोफेसर भतीजा मिलने पहुंचा तो उनकी मौत का पता चला। जब दरवाजा तोड़ा गया, तब भी शव को कुत्ते खा रहे थे। सदर बाजार पुलिस के अनुसार, बुजुर्ग की पहचान 80 वर्षीय विजेंद्र सिंह ठाकुर के रूप में हुई है। गुजराती कॉलेज में प्रोफेसर भतीजे अमिंद्र सिंह बैस ने बताया- जब गुरुवार दोपहर उनसे मिलने पहुंचा तो अंदर से ताला लगा था। घर के अंदर से बदबू आने पर पड़ोसियों को बुलाया। वीडियो बनाकर दरवाजा तोड़ा। अंदर पहुंचे तो कुत्ते शव के पास ही थे। पुलिस का कहना है कि शव सड़ चुका है इसलिए मौत का पुख्ता कारण पता नहीं चल सका है। फोरेंसिक टीम जांच कर रही है।

घर में अकेले रह रहे थे बुजुर्ग

अमिंद्र सिंह बैस ने कहा- चाचा रिटायरमेंट के बाद घर में अकेले रहते थे। मृगनयनी एम्पोरियम में

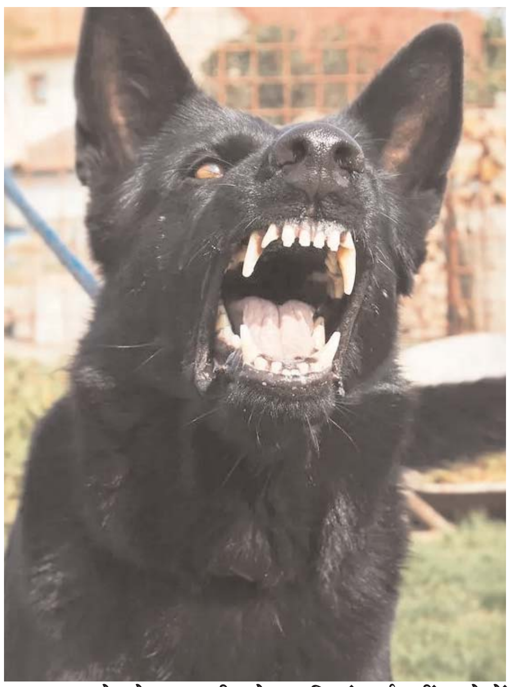

काम करते थे। उनकी दो शादियां हुई थीं। दोनों पत्नियों से तलाक हो चुका था। संतान नहीं है। मैं कभी-कभी उनसे मिलने के लिए आ जाता था। घर का अगला हिस्सा ज्यादा जर्जर और खंडहर था, इसलिए पीछे के रास्ते से आते-जाते थे। प्रत्यक्षदर्शी राहुल रघुवंशी ने बताया- शव का पूरा हाथ, एक पैर, दूसरे पैर का हिस्सा, सिर और पूरा मुंह कुत्ते खा गए थे। गुरुवार को बुजुर्ग के परिजन मिलने आए थे। गेट नहीं खुला तो उन्होंने हमें आवाज देकर बुलाया। मैं दरवाजे के पास गया तो तेज बदबू आ रही थी। तब हमने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस वाले आए और बोले कि वीडियो चालू करो, हम दरवाजा तोड़ रहे हैं। मैंने दरवाजा तोड़ा तो अंदर एक कुत्ता शव को खा रहा था। हमने उसे भगाया। देखा तो पूरा शरीर पीला पड़ा था।

मकान के बाहर सांप घूमते नजर आए

घटनास्थल पर जब भास्कर टीम पहुंची तो घर के बाहर ही सांप घूमते दिखे। ऐसे में आशंका है कि सांप के काटने से बुजुर्ग की मौत हुई हो। पड़ोसियों ने भी बताया कि घर के आसपास कचरा और साफ-सफाई नहीं होने के कारण अकसर यहां सांप घूमते दिखते हैं।

भोपाल में कीचड़ भरे रास्ते से निकली शवयात्रा

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के कोहड़ी में शुक्रवार को एक शवयात्रा कीचड़ में से निकली। यह इलाका होशंगाबाद रोड स्थित मिसरोद के पीछे है। शवयात्रा में शामिल ग्राम चोपड़ाकलां के एक व्यक्ति रामस्वरुप अहिरवार ने इसका वीडियो बनाया है। रामस्वरुप ने बताया कि कोहड़ी में उनके मेरे जीजाजी लक्ष्मण सिंह के बड़े भाई कनीराम (65) का निधन हो गया। शुक्रवार सुबह गांव में उनकी अंतिम यात्रा निकली थी। घर से श्मशान तक जाने वाला रास्ता काफी खराब है। धान के खेत और पगड़ंडी से होकर गुजरकर श्मशान तक जाना पड़ा। इस दौरान लोगों को भी परेशानी हुई। रामस्वरुप ने बताया कि जैसे-जैसे श्मशान घाट पहुंचे, लेकिन यहां चबूतरा भी कच्चा ही थी। इससे दाह संस्कार में काफी परेशानी हुई। यह विधायक रामेश्वर शर्मा का हुजूर विधानसभा क्षेत्र है। उन्हें भी वीडियो टैग किए हैं।

डीजीपी ने देखा- कैसे होगी महाकुंभ की व्यवस्था

एआई से करेंगे सिंहस्थ की भीड़ का आकलन, छोटे-छोटे स्पॉट बनाकर श्रद्धालुओं को रोकेंगे

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन में 2028 में होने जा रहे सिंहस्थ महाकुंभ की तैयारियां पुलिस के स्तर पर भी तेज हो गई हैं। तय मानक के आधार पर धार्मिक आयोजनों का मैनेजमेंट संभालने में पुलिस की मदद करने वाली कंपनी ने गुरुवार को डीजीपी के सामने प्रेजेंटेशन दिया। कंपनी के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रयागराज में व्यवस्था बनाने के लिए 2019 से काम शुरू कर दिया गया था। क्राउड मैनेजमेंट और श्रद्धालुओं का डेटा जुटाने के लिए अगले सावन महीने में और पंचकोशी परिक्रमा से ही काम शुरू करना चाहिए। आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सिस्टम की मदद से सिंहस्थ महाकुंभ स्थल की ओर आने वाली सड़कों के ट्रैफिक का भी आकलन किया जा सकेगा। गुरुवार सुबह साढ़े 11 बजे हुए इस बैठक में डीजीपी कैलाश मकवाणा, एडीजी

इंटेलिजेंस ए. साईं मनोहर के अलावा अन्य अफसर मौजूद रहे। उज्जैन व उसके आसपास के जिलों के पुलिस अफसर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े थे। कंपनी ने इससे पहले प्रयागराज महाकुंभ और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लोकार्पण के दौरान भी यह काम कर चुकी है।

प्रयागराज में यह प्रयोग नहीं, इसलिए हुई थी परेशानी

कंपनी के पदाधिकारी ने प्रेजेंटेशन में अफसरों के सवालों के जवाब भी दिए। इस दौरान अफसरों ने प्रयागराज महाकुंभ के दौरान अचानक बढ़ी श्रद्धालुओं की संख्या को न संभाल पाने की वजह भी पूछी। इस दौरान पदाधिकारी ने जवाब दिया कि उज्जैन सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को छोटे-छोटे स्पॉट बनाकर रोकने की योजना भी बनानी पड़ेगी। इससे जिस रूट पर दबाव ज्यादा बढ़ेगा, वहां कुछ समय के लिए भीड़ नियंत्रण के लिए श्रद्धालुओं को रोका जा सकेगा। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान ऐसा नहीं हुआ, इसलिए परेशानी भी हुई।

बिहार में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल विधानसभा चुनाव में होने वाली करारी हार को भाँप चुके हैं, यही कारण है कि बौखलाकर अब राजनीतिक मर्यादा को तोड़कर उनके मंचों से खुलेआम गाली - गलौच होने लगी है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

भारत-जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच 'दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे। आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके।

निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना 'संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है। जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तें की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन् 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी।

हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है।

संपादकीय

संघ प्रमुख के व्याख्यान से साफ होगी वैचारिक तस्वीर

संवाद और शास्त्रार्थ की परंपरा वाले देश में हाल के दिनों में सार्वजनिक चर्चाओं की गुंजाइश लगातार कम हुई है। इसे कभी असहिष्णुता तो तभी दूसरे विचार की उपेक्षा के तौर पर देखा गया है। देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद प्रधानमंत्री तक से शिकायत है कि संवाद नहीं रहा। ऐसे माहौल में अगर देश का पुराना संगठन और उसका प्रमुख खुद संवाद के लिए आगे आता है तो उसका भी स्वागत होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन राव भागवत की दिल्ली में होने जा रहे संवाद कार्यक्रम के जरिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने खुद पर उठने वाले सामाजिक और राजनीतिक सवालों के साथ ही आक्षेपित आरोपों पर जवाब देने की तैयारी है। इस कार्यक्रम के लिए राजनीतिक दलों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है, देखना है कि कितने दलों के लोग इसमें शामिल होते हैं। संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं। संघ से जो जुड़े हैं, जो उसके कार्यकर्ता हैं, जो स्वयंसेवक हैं, वे जानते हैं कि संघ है क्या, संघ की सोच क्या है और संघ किन विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। बहरहाल साल 2018 का वह आयोजन सिर्फ दिल्ली में हुआ था। संघ ने इस बीच अपनी स्थापना की शतकीय यात्रा पूरी करने की ओर है। विजयादशमी के दिन साल 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी को अपनी सौ साल की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर लेगा। जाहिर है कि यह संघ शताब्दी वर्ष है, इस लिहाज से इस बार संघ की कोशिश अपने विचार को जन-जन और हर परिवार तक पहुंचाने की है। यही वजह है कि इस बार मोहन राव भागवत का यह संवाद कार्यक्रम इस बार बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में संघ में भी आयोजित किया जाना है। संघ के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि इसके अलावे भी अन्य जगहों पर भी व्याख्यान आयोजित किए जाएं। किसी संगठन का सौ साल पूरा कर लेना मामूली बात नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा में समाज के हर वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मोहन राव भागवत के इस शताब्दी व्याख्यान के लिए गंभीर तैयारियां की हैं। संघ ने आगंतुकों के लिए 17 श्रेणियां और 138 उप-श्रेणियां बनाई हैं। संघ सर्वदा यह जताने की कोशिश करता रहा है कि उसकी सोच, उसका विचार अन्य लोगों से अलग नहीं है। संघ को उसके विरोधियों ने भले ही कभी अछूत तो कभी सांप्रदायिक कहने की कोशिश की हो, लेकिन संघ ने उनके प्रति भी कभी वैमनस्यबोध नहीं रखा और ना ही उनके साथ कोई छुआछूत की भावना रखी। संघ के कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभवों से गुजरते हुए पता चला है कि उन्हें विरोधी राजनीतिक विचारधारा वाले नेताओं और बड़ी हस्तियों तक से मिलने, साथ चाय-पानी करने, भोजन करने, सहयोग करने-कराने तक का अवसर मिला है। संघ जरूर एक बात पर जोर देता है कि उसकी सोच भारत की स्थापित और मूल्यवान परंपराओं से प्रभावित है।

आज भोपाल जिला कांग्रेस द्वारा आयोजित #वोटचोर_गद्दी_छोड़ रैली में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी श्री हरीश चौधरी जी, सह प्रभारी श्री संजय दत्त जी के साथ सहभागिता की!
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

ट्रेन से कूदने वाली थी श्रद्धा, करण ने हाथ पकड़ा

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर से 23 अगस्त को लापता हुई 22 साल की श्रद्धा तिवारी 6 दिन बाद शुक्रवार को लौट आई है। उसके घर से जाने और लौटने तक कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट की तरह है। श्रद्धा अपने प्रेमी से मिलने घर से निकली थी। जब वह नहीं आया तो रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन में बैठ गई। ट्रेन रतलाम की ओर जा रही थी। इस दौरान उसने ट्रेन से कूदकर जान देने की कोशिश की। तभी करण योगी नाम के युवक ने उसका हाथ पकड़कर उसे ऐसा करने रोक लिया। श्रद्धा करण को पहले से जानती थी। वह करण से शादी करके उसके साथ इंदौर के एमआईजी थाने पहुंची। पुलिस दोनों पूछताछ कर रही है। वहीं श्रद्धा के पिता का कहना है कि मेरी बेटी को फंसाया जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम की जांच होनी चाहिए।

पढ़िए, श्रद्धा के पिता और पुलिस का बयान

अनिल तिवारी, श्रद्धा के पिता – लड़की भागी किसी और के लिए थी, बीच में किसी और की एंट्री हुई। इस केस में कई एंगल है। अभी जांच होनी चाहिए। मेरी बेटी को फंसाया गया है। लड़की अगर 10 दिन बाद कह देती है कि उसी लड़के से शादी करना चाहती हूं तो मैं धूमधाम से शादी करूंगा। अमरेंद्र सिंह, एडिशनल डीसीपी – श्रद्धा सही सलामत इंदौर आ गई है। उसने मंदसौर के एक मंदिर में करण योगी नाम के युवक से शादी कर ली है। श्रद्धा उसे पहले से जानती थी। अभी मामले में पूछताछ की जा रही है।

सार्थक के साथ अफेयर, करण से की शादी

एमआईजी टीआई सीबी सिंह ने बताया कि श्रद्धा का सार्थक गेहलोत नाम के युवक से अफेयर चल रहा था। 23 अगस्त को उसने श्रद्धा को रेलवे स्टेशन पर बुलाया था। वह घर से स्टेशन पहुंच गई, लेकिन सार्थक नहीं आया। जिसके बाद श्रद्धा गुस्से में वहां खड़ी ट्रेन में बैठकर चली गई। ये ट्रेन रतलाम जा रही थी। युवती ने रतलाम में ट्रेन से कूदने की कोशिश की तो किसी ने पीछे से हाथ पकड़ लिया। पलटकर देखा तो श्रद्धा का पूर्व परिचित करण योगी था, जो गुजराती कॉलेज में इलेक्ट्रीशियन रहा है।

श्रद्धा ने कहा तो मैं शादी को तैयार हो गया

करण ने पुलिस को बताया- श्रद्धा ट्रेन से कूदने की कोशिश कर रही थी। मैंने पूछा क्या कर रही हो, तो उसने कहा मर रही हूं। मैंने कहा ऐसा नहीं करने दूंगा। तब श्रद्धा ने कहा कि ऐसा है तो मेरे साथ शादी करो। मैं तैयार हो गया। हम दोनों खरगोन गए। वहां से महेश्वर पहुंचे और मंदिर में शादी की। फिर मैं अपने घर पालिया गया। घरवालों ने आने से रोक दिया, तो वहां से मंदसौर चले गए। वहां से श्रद्धा ने पिता को फोन किया। ऑफिशियल रजिस्टर्ड मैरिज के लिए दस्तावेज मांगे। जिसके बाद श्रद्धा के पिता कार से उसे इंदौर लेकर आए।

पिता बोले- मैं लड़के को नहीं जानता

श्रद्धा के पिता अनिल तिवारी ने कहा कि मैंने अपनी बच्ची को कैसे पाला है, जीरो से लेकर अभी तक कैसे उठा हूं यह भी जानता हूं। मेरी बच्ची के साथ कुछ ऐसा हुआ है जिसे निकालने में समय लगेगा। बच्ची बिल्कुल इस शादी के लिए तैयार नहीं है। बच्ची को कम से कम एक हफ्ते के लिए पिता या अपने पास उसे 24 घंटे रखें। मैं लड़के को नहीं जानता हूं। अनिल का कहना है कि करण से बात हुई थी, उसने कहा कि बेटी जा रही थी। ये सुसाइड करने वाली थी। करण ने उसे समझाया। कहा कि तुम अपने पापा से बात कर लो। ऐसा करण ने मुझे बताया है।

मोबाइल घर पर छोड़कर गई थी

श्रद्धा ने घर से निकलते समय अपना मोबाइल वहीं छोड़ दिया था। पुलिस को मिले सीसीटीवी फुटेज में श्रद्धा पहले अपने घर के पास से जाती हुई दिखी थी। इसके बाद वह गली से निकलकर लोटस शोरूम के सामने से होते हुए एमआर-4 की ओर जाती नजर आई थी। इन फुटेज के आधार पर पुलिस को आशंका थी कि वह उज्जैन की ओर जा सकती है।

सार्थक नाम के युवक पर शक जताया था

परिजन ने शक जाहिर किया था कि श्रद्धा एक इंजीनियर युवक सार्थक के संपर्क में थी और शायद वह उसे अपने साथ ले गया हो। इस आधार पर पुलिस ने सार्थक को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था। पूछताछ में सार्थक ने बताया था कि पिछले 15 दिन से दोनों की कोई बातचीत नहीं हुई थी, क्योंकि परिवार की नाराजगी के चलते श्रद्धा डर गई थी।

परिजन ने दरवाजे पर टांगी थी उल्टी तस्वीर

गुजराती कॉलेज में सेकेंड ईयर की छात्रा श्रद्धा की सुरक्षित वापसी की उम्मीद में परिजन ने घर के बाहर उसकी उल्टी तस्वीर टांग दी थी। यह भी घोषणा की थी कि जो व्यक्ति उसे ढूंढकर लाएगा, उसे 51 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। श्रद्धा के परिवार का मानना है कि घर के बाहर तस्वीर उल्टी टांगने से गुम हुआ व्यक्ति लौट आता है। इसी विश्वास के चलते परिजन ने यह कदम उठाया था। यह वही टोटका है, जिसे कुछ समय पहले राजा रघुवंशी हत्याकांड की मास्टरमाइंड सोनम रघुवंशी के पिता ने भी अपनाया था।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
website: www.newscrimefile.com
email: newscrimefile@yahoo.com

मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन जी,
आपको कार्यकाल के एक वर्ष बढ़ाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

शादी पर शादी; किसान और कारोबारी से 4.20 करोड़ ऐंठे

न्यूज क्राइम फाइल

खंडवा पुलिस ने इंदौर की एक ऐसी दुल्हन के खिलाफ केस दर्ज किया है, जो अमीर लड़कों को प्रेम जाल में फंसाकर शादी करती थी। कुछ दिन साथ रहने के बाद ज्वेलरी और लाखों रुपए की नकदी लेकर रफू-चक्कर हो जाती। पहचान छिपाकर अलग-अलग लड़कों से मिलकर इमोशनल ब्लैकमेल करती। ठग दुल्हन ने खंडवा के युवा किसान से 20 लाख रुपए तो कोलकाता के कारोबारी से चार करोड़ रुपए वसूले हैं। खंडवा के एहतेशाम खान ने एफआईआर कराई। उसने बताया कि निकहत हाशमी उर्फ नरगिश हाशमी उर्फ उर्वशी अग्रवाल से मेरा निकाह 12 फरवरी 21 को हुआ था।

दूसरी शादी, फिर दहेज प्रताड़ना का केस

एहतेशाम ने बताया, निकहत जब कभी आती तो सिर्फ रुपए लेने के लिए। दिसंबर 2024 में सोशल मीडिया से पता चला कि निकहत ने कोलकाता के शहरयार चौहान से शादी कर ली है। इसके बाद निकहत ने जनवरी 2025 में इंदौर महिला थाने में मेरे और परिजन के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कर

दिया। केस दर्ज होने के बाद हम लोग मानसिक व आर्थिक रूप से परेशान हो गए। हमने सोशल मीडिया के जरिए शहरयार से संपर्क किया। बात की तो उसने कहा कि मैं किसी निकहत को नहीं पहचानता। हमने फोटो बताया तो पता चला कि निकहत ने उर्वशी बन शहरयार से शादी की है। इसके बाद उस ठग दुल्हन के फर्जीवाड़े की कहानी का खुलासा हुआ।

फर्जीवाड़े में पत्नी के अलावा उसके रिश्तेदार भी शामिल

एहतेशाम ने फर्जीवाड़े की भनक लगने के बाद पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया। 19 अगस्त 2025 को खंडवा की थाना मोघट रोड पुलिस ने ठग दुल्हन के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया। एहतेशाम ने पत्नी निकहत के अलावा उसके रिश्तेदारों के खिलाफ भी शिकायत की है। इनमें गोरखपुर में रहने वाले उसके मामा और खरगोन निवासी उसकी मां और इंदौर की एक कथित महिला वकील को आरोपी बनाए जाने की मांग की।

महिला वकील पिस्टल के दम पर वसूलती थी रुपए

एहतेशाम ने बताया कि हमारी शिकायत के बाद निकहत ने धमकाने के साथ झूठा केस दर्ज कराकर ब्लैकमेल किया। इंदौर के महिला थाने में हमारे खिलाफ दहेज प्रताड़ना का झूठा केस दर्ज करा दिया। यहां तक कि इंदौर की एक कथित महिला वकील के साथ मिलकर हमसे अवैध वसूली करती रही।

20 लाख रुपए लेने के बाद भी वह और रुपयों की मांग करती रही। वह दहेज प्रताड़ना के केस में राजीनामा करने के लिए और 7 लाख रुपए मांग रही थी। जब भी रुपए लेने आती पिस्टल का दम दिखाकर गाली-गलौज करती और 25 से 30 हजार रुपए वसूलकर ले जाती थी।

कलेक्टर को गाली-मुक्का दिखाने वाले विधायक को फटकार

न्यूज क्राइम फाइल

तीन दिन पहले भिंड कलेक्टर को गाली देने और मारने के लिए हाथ उठाने वाले भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह को संगठन ने भोपाल बुलाकर फटकार लगाई है। पार्टी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बुलावे पर नरेंद्र कुशवाह शुक्रवार को संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के बंगले पर पहुंचे। यहां प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह की मौजूदगी में पूरे घटनाक्रम पर चर्चा हुई। हितानंद शर्मा के आवास पर हुई बैठक में प्रदेश नेतृत्व ने विधायक के व्यवहार को गंभीर माना है। विधायक को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि आपका व्यवहार पार्टी लाइन के विपरीत है, इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में इस तरह का आचरण स्वीकार्य नहीं होगा।

विधायक ने थप्पड़ मारने उठाया था हाथ

भिंड से भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को थप्पड़ मारने के लिए हाथ उठाया। इस दौरान उन्होंने गाली-गलौज की। कलेक्टर ने कहा कि रेत चोरी नहीं चलने दूंगा, इस पर विधायक ने उन्हें ही चोर कहा। समर्थक भी भिंड कलेक्टर चोर है की नारेबाजी करते रहे। दरअसल, विधायक कुशवाह जिले में खाद संकट को लेकर कलेक्टर के बंगले के बाहर धरने पर बैठे थे। वे कलेक्टर से बाहर आकर बात करने की मांग कर रहे थे, लेकिन कलेक्टर ने उनकी बात नहीं सुनी। इस पर कुशवाह भड़क गए। उन्होंने धमकाते हुए कहा कि आज पब्लिक को तुम्हारे घर में घुसेड़ दूंगा।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष बोले- भिंड में रोजाना हो रही है रेत चोरी

इससे पहले गुरुवार रात, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लहार के पूर्व विधायक डॉ. गोविंद सिंह ने वीडियो बयान जारी कर कहा कि भिंड में रेत चोरी गंभीर समस्या बन गई है। उनका कहना है कि भिंड की नदियों का दोहन प्रतिदिन हो रहा है और लगभग 50 लाख रुपए की रेत चोरी हो रही है। पिछले दो सालों से भिंड में रेत का कोई ठेका नहीं है। इसके बावजूद अवैध रेत की सप्लाई जारी है, जो भिंड और दतिया दोनों जिलों से हो रही है। डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि इस अवैध खनन में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और भाजपा के नेता-खनिज माफिया शामिल हैं, जो मध्यप्रदेश के राजस्व को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि भिंड और आसपास के जिलों में अवैध रेत उत्खनन को रोकने के लिए कड़ा कदम उठाएं ताकि राजस्व की क्षति रोकी जा सके और प्रदेश का विकास सुनिश्चित हो।

पूर्व मंत्री का तंज- विधायक नरेंद्र फर्जी अंकसूची से उपाध्यक्ष बने

पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी ने कहा कि विधायक के खिलाफ जो आरोप हैं, वे गंभीर हैं। उन्होंने विधायक को हायर सेकेंडरी छाप बताते हुए आरोप लगाया कि वह हाथ टूटने के बावजूद परीक्षा में बैठे और फर्जी अंकसूची लगाकर यूनिवर्सिटी के उपाध्यक्ष बने थे। चौधरी ने दावा किया कि विधायक को उपाध्यक्ष बनवाने में उन्होंने ही मदद की थी। चौधरी राकेश सिंह ने विधायक की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि भिंड में विधायक रहते हुए उन्होंने कोई खास विकास कार्य नहीं कराया है।

सौजन्य भेंट

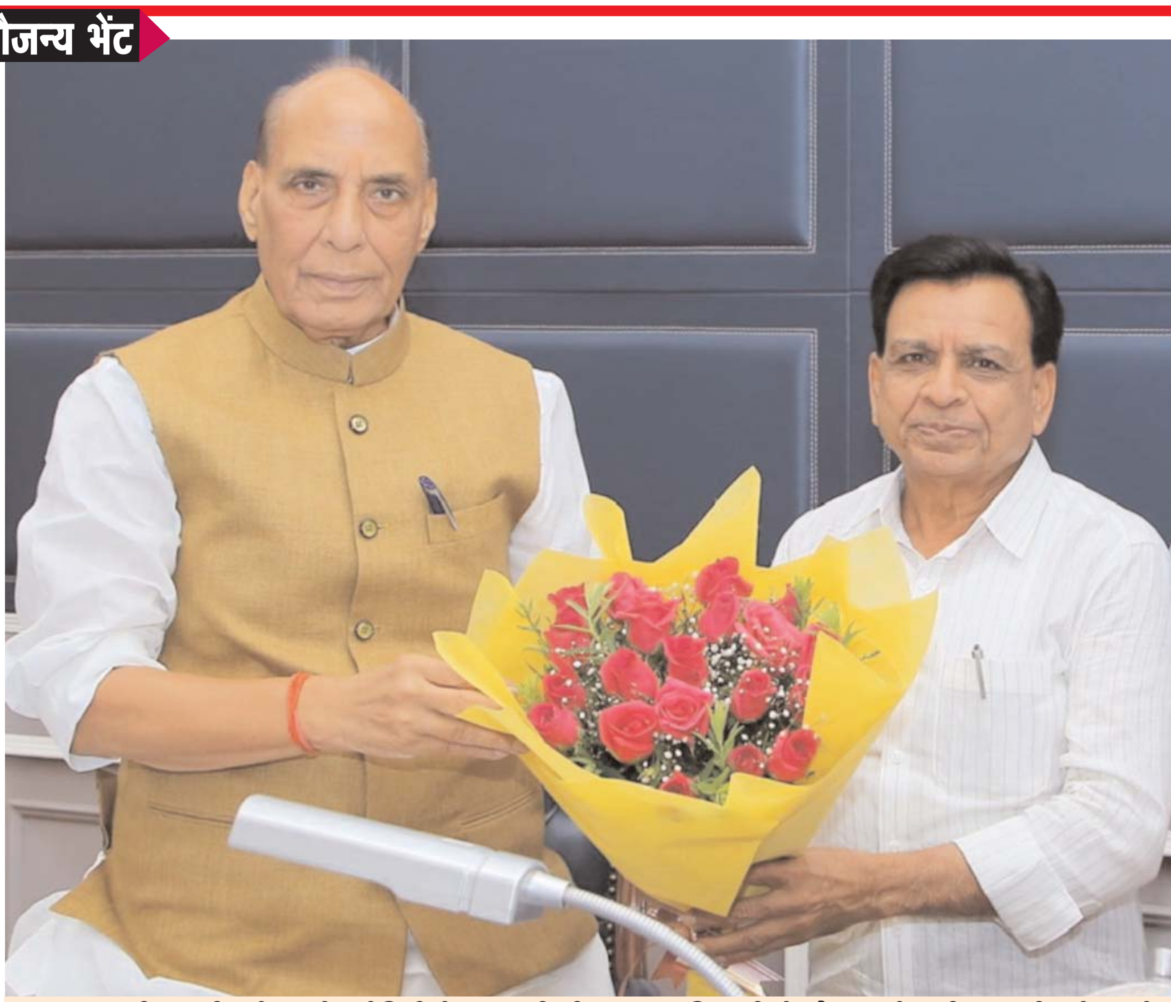

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी से सौजन्य भेंट की। जगदीश देवड़ा ने कहा कि रक्षा मंत्री जी की आत्मीयता और मार्गदर्शन निजी और राजनीतिक जीवन में प्रेरणा प्रदान करता है।

देशभर के अपने रेहड़ी-पटरी वाले भाई-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में आज पीएम स्वनिधि योजना को 31 मार्च, 2030 तक बढ़ाने को मंजूरी दी गई है। मुझे विश्वास है कि यह उनके जीवन में बहुत बड़ा बदलाव लाने में मददगार साबित होगा।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

नीरज ने डायमंड लीग फाइनल में लगातार तीसरा सिल्वर जीता

85.01 मीटर का थ्रो किया; जर्मनी के वेबर पहले स्थान पर रहे

न्यूज क्राइम फाइल

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल 2025 में दूसरा स्थान हासिल किया। चोपड़ा का डायमंड लीग में लगातार तीसरा सिल्वर मेडल है। उन्होंने 85.01 मीटर का थ्रो किया। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर के लेट्ज़िग्रुंड स्टेडियम में गुरुवार को हुए फाइनल में जर्मनी के जूलियन वेबर ने शानदार 91.51 मीटर का थ्रो कर गोल्ड जीता। वहीं, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने 84.95 मीटर के साथ ब्रॉन्ज हासिल किया। नीरज ने पहले प्रयास में 84.35 मीटर थ्रो किया। इसके बाद दूसरा थ्रो 82 मीटर रहा। इसके बाद उन्होंने लगातार तीन बार फाउल किया। आखिर में नीरज ने 85.01 मीटर का थ्रो किया और दूसरे नंबर पर रहे। इससे पहले नीरज तीन साल पहले, यानी 2022 में इसी स्टेडियम में डायमंड लीग के फाइनल में पहले स्थान पर रहे थे। वहीं, 2023 और 2024 में उन्हें उपविजेता बनकर ही संतोष करना पड़ा था। मौजूदा सीजन में उन्होंने 7 प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिनमें 4 बार जीत दर्ज की और तीन बार उपविजेता रहे हैं। मैच के बाद नीरज ने कहा- आज का दिन थोड़ा मुश्किल था मैच के बाद नीरज ने अपने प्रदर्शन पर कहा, %आज का दिन थोड़ा मुश्किल था। खेल में हमेशा कुछ कठिन दिन आते हैं, और आज ऐसा ही था।

फिर भी, मैंने आखिरी थ्रो में 85 मीटर से ज्यादा की दूरी हासिल की। आज मेरा रन-अप और टाइमिंग सही नहीं थी। मुझे कुछ कमी महसूस हुई, लेकिन विश्व चैंपियनशिप के लिए अभी तीन हफ्ते बाकी हैं। मैं अपनी टाइमिंग को बेहतर करने की पूरी कोशिश करूंगा। डायमंड लीग 2025 में नीरज का प्रदर्शन दोहा डायमंड लीग- इस सीजन की बात करें तो नीरज के लिए शुरुआत धमाकेदार अंदाज में हुई थी। मई में उन्होंने दोहा में 90.23 मीटर का थ्रो कर पहली बार 90 मीटर से ज्यादा दूरी का थ्रो किया था। उन्होंने पहले प्रयास में 88.44 मीटर स्कोर किया, जबकि दूसरा थ्रो अमान्य रहा। फिर नीरज ने तीसरे प्रयास में अपने करियर का बेस्ट थ्रो किया। इससे पहले उनका बेस्ट थ्रो 89.94 मीटर था, जो उन्होंने 2022 डायमंड लीग में हासिल किया था। हालांकि, नीरज दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे। जर्मनी के जूलियन वेबर 91.06 मीटर के थ्रो के साथ पहले और ग्रेनेडा के पीटर्स एंडरसन 85.64 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पेरिस डायमंड लीग- जून में उन्होंने पेरिस में 88.16 मीटर के प्रयास के साथ वह पहले स्थान पर रहे। उन्होंने पहले ही राउंड में 88.16 मीटर का थ्रो फेंककर जीत सुनिश्चित कर ली। वहीं, इससे पहले उन्होंने 90.23 मीटर थ्रो किया था और दूसरे स्थान पर थे। वहीं पेरिस डायमंड लीग में जर्मनी के जूलियन वेबर 87.88 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ दूसरे नंबर पर रहे। ब्राजील के मौरिसियो लुइज डा सिल्वा ने 86.62 मीटर के थ्रो के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। क्या है डायमंड लीग? डायमंग लीग एथलेटिक्स (ट्रैक और फील्ड) का टूर्नामेंट है, जिसमें एथलेटिक्स के 16 इवेंट (मेंस और विमेंस) होते हैं। यह हर साल दुनिया के अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है। डायमंड लीग एथलेटिक्स सीरीज हर साल मई से सितंबर तक आयोजित की जाती है और सीजन का समापन डायमंड लीग फाइनल के साथ होता है। आमतौर पर डायमंड लीग के सीजन में प्रतियोगिताओं की संख्या 14 होती है, जिसमें फाइनल भी शामिल होता है, लेकिन कभी-कभी यह संख्या बदल जाती है। हर इवेंट में टॉप-8 खिलाड़ियों को पॉइंट्स मिलते हैं, पहले नंबर के खिलाड़ी को 8 और 8वें नंबर के खिलाड़ी को एक पॉइंट मिलता है। 13 इवेंट के बाद सभी खिलाड़ियों के पॉइंट्स काउंट होते हैं। टॉप-10 पोजिशन पर फिनिश करने वाले खिलाड़ियों को डायमंड लीग फाइनल में जगह मिलती है। इसमें जीतने वाले खिलाड़ी को डायमंड लीग विजेता की ट्रॉफी और कैश प्राइज मिलता है।

रुपया रिकॉर्ड ऑल टाइम लो पर आयाः डॉलर के मुकाबले 64 पैसे गिरकर 88.29 पर पहुंचा, अमेरिकी टैरिफ का असर

न्यूज क्राइम फाइल

भारतीय रुपया शुक्रवार (29 अगस्त) को पहली बार 88 रुपए प्रति डॉलर के ऑल टाइम लो पर आ गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारत पर अमेरिका के टैरिफ की वजह से रुपए में यह गिरावट आई है। कारोबार के दौरान रुपया में आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब 64 पैसे की गिरावट देखने को मिली और ये 88.29 रुपए प्रति डॉलर के अब तक के सबसे निचले स्तर पर आ गया। हालांकि, दोपहर 2:10 बजे तक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने डॉलर बेचकर रुपए को थोड़ा सहारा दिया और यह करीब 88.12 पर ट्रेड करने लगा।

2025 में अब तक रुपया 3% कमजोर हुआ

इससे पहले फरवरी में रुपया 87.95 प्रति डॉलर के ऑल टाइम लो पर आया था। 2025 में अब तक रुपया 3त्र कमजोर हो चुका है और यह एशिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली करेंसी बन गई है। शुक्रवार को यह चीनी युआन के मुकाबले भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अमेरिका के भारतीय सामानों पर लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ और फॉरेन ट्रेड को नुकसान पहुंचाएंगे। अमेरिका ने इस हफ्ते भारतीय सामानों पर 25%एडिशनल टैरिफ लगा दिया। जिससे भारत को टोटल 50% टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है।

रुपया का अगला अहम स्तर है 89

कोटक सिक्योरिटीज के फॉरेन एक्सचेंज रिसर्च हेड अनिंद्या बनर्जी ने बताया, जब रुपया 87.60 के स्तर पर पहुंचा, तो कई इंपोर्टर्स जिन्होंने अपनी खरीदारी को हेज नहीं किया था, उन्होंने तेजी से डॉलर खरीदना शुरू कर दिया था। सबको उम्मीद थी कि ऋक्ष्ढ हस्तक्षेप करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 88 का स्तर पार होने के बाद स्टॉप लॉस ऑर्डर ट्रिगर होने लगे। अब अगला अहम स्तर 89 है।

अगर संसद और विधानसभा में वाद -विवाद न हों, तो वो निर्जीव भवन बनकर रह जाएंगे।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

लव जिहाद में फंडिंग के आरोपी अनवर कादरी ने सरेंडर किया

दाढ़ी और मूंछ कटवाकर इंदौर कोर्ट पहुंचा; पुलिस ने 8 दिन की रिमांड पर लिया

न्यूज क्राइम फाइल

लव जिहाद फंडिंग मामले में तीन माह से फरार आरोपी पार्षद अनवर कादरी शुक्रवार को जिला कोर्ट में पेश हुआ। वह दाढ़ी-मूंछ कटवाकर यहां पहुंचा। कादरी पुलिस की मौजूदगी में कोर्ट आया, तो लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। भीड़ ने उसकी ओर मारपीट के इरादे से बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे चारों ओर से घेरकर कोर्ट कक्ष तक सुरक्षित पहुंचाया। अनवर कादरी पर 40,000 रुपए का इनाम घोषित था। बाणगंगा पुलिस ने कोर्ट से आठ दिन का रिमांड मांगा। रिमांड मिलने के बाद जैसे ही पुलिस उसे बाहर लाई तो फिर आपाधापी मची। लोग कादरी को पकड़ने के लिए दौड़ने लगे। पुलिस उसे भगाते हुए कोर्ट गेट के बाहर वाहन तक लाई और तुरंत गाड़ी में बिठाकर रवाना हो गई।

40 हजार रुपए का इनाम था

क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया- अनवर कादरी आज कोर्ट में पेश हुआ है। वह दो प्रकरणों में वांटेड था। दुष्कर्म के ये मामले 11 जून को दर्ज किए गए थे, जिनमें मूल आरोपी पकड़े गए थे। इनमें कादरी को मुख्य आरोपी बनाया गया था। कुछ सबूत भी मिले थे, जिनके आधार पर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे। उस पर 40 हजार रुपए का इनाम था। कोर्ट ने उसे 8 सितंबर को पेश होने के निर्देश दिए गए थे। अब पुलिस रिमांड के दौरान उससे पूछताछ की जाएगी और घटना से संबंधित सबूत जुटाए जाएंगे।

लव जिहाद के आरोपियों ने लिया था कादरी का नाम

इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में करीब दो माह पहले दो युवकों पर दो युवतियों के साथ रेप और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान सामने आए वीडियो में दोनों आरोपियों ने कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का नाम लिया, जिस पर उन्हें लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने और निकाह के लिए पैसों का लालच देने का आरोप है। पुलिस को मिले वीडियो साक्ष्यों और आरोपियों के बयान के आधार पर पार्षद अनवर कादरी का नाम एफआईआर में जोड़ा गया है। बताया गया है कि उसने युवकों को एक लड़की को फंसाने के लिए एक लाख रुपए और निकाह कराने पर दो लाख रुपए देने की बात कही थी। आरोपी साहिल शेख और अल्ताफ ने सोशल मीडिया पर फर्जी हिंदू नामों से आईडी बनाकर युवतियों से संपर्क किया था। मोबाइल जांच में यह स्पष्ट हुआ कि वे अर्जुन और राज जैसे नामों का इस्तेमाल कर लड़कियों से दोस्ती करते और फिर उन्हें बहलाकर मुलाकात के लिए बुलाते थे। इसके बाद शादी और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता था।

पेश होने से पहले जारी हुआ था शोकॉज नोटिस

अनवर को पार्षद पद से हटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। महापौर परिषद की बैठक में इसके लिए प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी थी। नगर निगम कमिश्नर दीपक सिंह ने अनवर को शोकॉज नोटिस जारी कर 25 अगस्त तक अपना पक्ष रखने को कहा था। हालांकि, नोटिस की समय सीमा पूरी होने से पहले ही अनवर शुक्रवार को कोर्ट में पेश हो गया।

पुलिस ने कादरी की बेटी को दिल्ली में पकड़ा था

28 जुलाई को पुलिस ने अनवर कादरी की तलाश में दिल्ली सहित कई स्थानों पर छापेमारी भी की थी। इसी मामले में उसकी बेटी आयशा को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। वह पिता अनवर कादरी के फरार होने के बाद उसके संपर्क में थी। आयशा को बाद में जमानत मिल गई थी।

जानलेवा हमले पर 14 साल पहले काटी एक साल की सजा

2011 में कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी, उसके भाई और एक अन्य आरोपी को जानलेवा हमले के मामले में अदालत ने एक-एक साल के कारावास की सजा सुनाई थी। यह हमला 6 मई 2009 को इंदौर के आजादनगर चौराहे के पास अनवर हुसैन पर किया गया था। अनवर हुसैन आरोपियों पर चल रहे एक अन्य मामले में गवाह था। पुलिस ने कादरी समेत कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से पिस्टल, कट्टा, तलवार और चाकू बरामद किए गए थे।

उज्जैन में डकैती का केस, इसी से मिला डकैत नाम

अनवर कादरी पर 1996 में उज्जैन के महाकाल थाने में डकैती का केस दर्ज किया गया था। इसके बाद उसे अनवर डकैत के नाम से पहचाना जाने लगा। अनवर ने इंदौर में भी मारपीट, घर में घुसकर धमकाने जैसी कई घटनाओं को अंजाम दिया। अनवर कांग्रेस से तीन बार पार्षद रह चुका है। उसकी पत्नी दो बार पार्षद रही है। प्रमोद टंडन के शहर कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए अनवर को शहर कांग्रेस का महामंत्री भी नियुक्त किया गया था। उसने एक बार निर्दलीय चुनाव भी लड़ा था।

'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे, जेल जाना पड़ा

28 अप्रैल 2025 को अनवर ने इंदौर के वार्ड 58 स्थित बड़वाली चौकी पर पहलगाम हमले के विरोध में पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला दहन किया था। कार्यक्रम के दौरान जैसे ही कादरी ने %पाकिस्तान% शब्द बोला, वहां मौजूद उसके कुछ समर्थकों ने %जिंदाबाद% के नारे लगा दिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे। घटना के वीडियो को लेकर बीजेपी विधायक गोलू शुक्ला ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इस पर अनवर कादरी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

भारत ने हमेशा दुनिया को शांति का संदेश दिया है, लेकिन %ऑपरेशन सिन्दूर% के दौरान हमारी सेनाओं ने यह दिखा दिया कि आवश्यकता पड़ने पर हम किस तरह निर्णायक कार्रवाई कर सकते हैं।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

कॉन्स्टेबल पिटाई केस- आदिवासी समाज ने खरगोन-इंदौर हाईवे जाम किया

कहा- आरआई का निलंबन काफी नहीं, एफआईआर हो; कुत्ता गायब होने पर मारपीट की थी

न्यूज क्राइम फाइल

खरगोन में कॉन्स्टेबल राहुल चौहान से मारपीट के मामले में एसपी धर्मराज मीना ने रक्षित निरीक्षक (आरआई) सौरभ सिंह कुशवाहा को सस्पेंड कर दिया है। कॉन्स्टेबल राहुल और उसकी पत्नी ने आरोप लगाया था कि पालतू कुत्ते के लापता होने पर आरआई ने बेल्ट से मारपीट और गाली-गलौज की थी। अब आरआई सौरभ सिंह कुशवाहा पर स्ङ्कक्रदर्ज कर कार्रवाई की मांग को लेकर सर्व आदिवासी समाज, जयस और कांग्रेस से जुड़े लोग हाईवे पर धरना प्रदर्शन कर दे रहे हैं। चक्काजाम भी कर दिया है। इधर, खरगोन कलेक्टर ने आदिवासी प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की। जिसमें भीकनगांव विधायक झूमा सोलंकी, भगवानपुरा विधायक केदार डाबर और सेंधवा विधायक मंटू सोलंकी पहुंचे। कलेक्टर भव्या मित्तल, एडिशनल एसपी शकुंतला रुहल के साथ प्रतिनिधिमंडल की लगभग 45 मिनट मीटिंग हुई। शाम 6 बजे प्रतिनिधिमंडल ने शामिल भावेश खरत और डॉ गोविंद मुजाल्दा ने धरनास्थल पर बताया कि प्रशासन आरक्षक राहुल चौहान का एमएलसी करा रहा है। उसके बयान दर्ज किए जाएंगे। दो सप्ताह में जांच बाद रिपोर्ट के आधार पर रिपोर्ट दर्ज होगी। इसके अलावा आरक्षक की पत्नी जयश्री की शिकायत पर आरआई की पत्नी पर पुलिस कार्रवाई होगी। आरक्षक राहुल चौहान और उनकी पत्नी जयश्री को मेडिकल के लिए भेजा गया है।

आदिवासी संगठन एसपी की कार्रवाई से असंतुष्ट

आरक्षक की शिकायत और वायरल वीडियो के बावजूद आदिवासी संगठन एसपी की कार्रवाई से असंतुष्ट है। उसकी मांग है कि राहुल चौहान और उसकी पत्नी जयश्री की शिकायत पर रक्षित निरीक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो। इसी को लेकर बुधवार दोपहर 1 बजे से खंडवा-बड़ोदरा हाईवे पर धरना जारी है।

हाईवे पर ट्रैफिक डायवर्ट, 6 थानों के ञ्जढ्ढ तैनात

लगभग 24 घंटे तक आजाक पुलिस थाने के सामने धरना देने के बाद गुरुवार दोपहर 1 बजे प्रदर्शनकारी कलेक्टर के घेराव के लिए निकले। इसके बाद खरगोन-इंदौर राजमार्ग पर नारेबाजी के साथ धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। कलेक्ट्रेट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। जिले के 6 थानों के टीआई तैनात हैं। हाईवे के ट्रैफिक को कुंदा नदी के रपटे से डायवर्ट किया गया है। प्रदर्शनकारी लगातार आरआई पर स्ङ्कक्रकी मांग कर रहे हैं। धरने के दौरान रास्ते से गुजर रही 2 एम्बुलेंस को प्रदर्शनकारियों ने रास्ता दिया। बहुजन समाजवादी पार्टी ने भी आंदोलन को समर्थन दिया है।

बुधवार रात करीब 11ः30 बजे निलंबन आदेश

इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद एसपी ने बुधवार रात करीब 11ः30 बजे निलंबन आदेश जारी किया और आरआई को जिला मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए। निमाड़ रेंज के डीआईजी सिद्धार्थ बहुगुणा ने मामले की जांच बुरहानपुर एएसपी अंतर सिंह कनेश को सौंपी है।

आरआई और उनकी पत्नी से होगी पूछताछ

पुलिस ने कॉन्स्टेबल का मेडिकल परीक्षण करा लिया है। एसपी धर्मराज मीणा ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। उनके मुताबिक, आरआई सौरभ कुशवाहा और उनकी पत्नी से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कॉन्स्टेबल राहुल चौहान

कुत्ते के गायब होने पर नाराजगी, पिटाई का आरोप

23 अगस्त की रात आरक्षक राहुल चौहान की ड्यूटी आरआई सौरभ कुशवाहा के सरकारी आवास पर थी। ड्यूटी पूरी कर रात 10 बजे राहुल अपने क्वार्टर लौट गया। आरोप है कि देर रात करीब 1ः30 बजे आरआई ने फोन कर तुरंत आने को कहा। जब राहुल पहुंचा तो आरआई ने अपने पालतू कुत्ते के गायब होने पर नाराजगी जताई और उसकी पिटाई कर दी। राहुल ने अपने हाथ, पैर, कमर और पीठ पर पड़े नीले निशान का वीडियो वायरल किया। बुधवार को उसने आजाक थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। उसका कहना है कि घटना के बाद 20 घंटे बाद कुत्ता घर के पास मिल गया था।

आरआई बोले- आरक्षक ने नशे में कुत्ते को पीटा

आरआई सौरभ कुशवाहा ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि घटना के दिन वह शहर से बाहर थे। ड्यूटी पर तैनात आरक्षक ने शराब पीकर कुत्ते को पीटा और बाहर छोड़ दिया, बाद में वह नशे की हालत में मिला।

नीमच जिले में दलित महिला को हैंडपंप से पानी भरने से रोका

न्यूज क्राइम फाइल

नीमच जिले की मनासा तहसील में जातिगत भेदभाव का मामला सामने आया है। गुरुवार सुबह पिपलिया रुंडी गांव की एक दलित महिला को सरकारी हैंडपंप से पानी भरने से रोक दिया गया। आरोपी रायसिंह की पत्नी ने महिला के बर्तन फेंक दिए। इसके बाद रायसिंह, हजारी, बन्ने सिंह और विजय सिंह ने पीड़िता को रास्ते में रोक लिया। आरोपियों ने कहा कि वह नीची जात की है और इस हैंडपंप से पानी नहीं भर सकती। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट की आवाज सुनकर पीड़िता के सास-ससुर मौके पर पहुंचे और उसे बचाया। मारपीट के दौरान पीड़िता बेहोश हो गई। परिवार वाले उसे तुरंत जिला अस्पताल ले गए। वहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

बेगुनाह इल्जाम लगाने पर चुप नहीं बैठता,
और चोर पकड़े जाने पर ख़ामोश हो जाता है।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

दिग्विजय सिंह खिवनी अभयारण्य के विस्थापितों से मिले

पूर्व सीएम दिग्गी बोले- मुझे भी आदिवासी मान लो

न्यूज क्राइम फाइल

खिवनी अभ्यारण्य के 15 गांवों के आदिवासियों से चर्चा करने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह गुरुवार को कन्नौद पहुंचे। इस दौरान वन विभाग की ओर से तोड़े गए मकानों के पीड़ित परिवार भी वहां थे। सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचते ही सबसे पहले अलग-अलग गांवों से आए आदिवासियों की जानकारी ली। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों को भी बुलाया गया था ताकि ग्रामीणों से सीधी चर्चा हो सके, लेकिन राजनीतिक कार्यक्रम का हवाला देकर वे आने से कतराते रहे।

किसी को भी नहीं हटाया जाएगा

दिग्विजय सिंह ने मंच पर मौजूद नेताओं को नीचे बैठा दिया और फ्लेक्स हटवा दिया। लेकिन अधिकारी नहीं आए। अंततः डीएफओ वीरेंद्र पटेल ने फोन पर अपनी बात रखने की सहमति दी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष चौधरी ने फोन दिग्विजय को दिया। सिंह ने डीएफओ की बातचीत लाउडस्पीकर से सभी ग्रामीणों तक पहुंचाई। डीएफओ ने स्पष्ट कहा कि किसी भी गांव को विस्थापित नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों की ओर से लिखित आश्वासन देने के सवाल पर डीएफओ हामी भी भरी। यह सुनकर आदिवासियों ने तालियां बजाकर स्वागत किया।

मुझे भी आदिवासी मान लो

2-3 परिवार अपने दस्तावेज लेकर आए जिन्होंने 2005 से पहले वन भूमि पर कब्जे के प्रमाण दिखाए। दिग्विजय सिंह ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनके कागजात अलग से डीएफओ को भिजवाए जाएंगे।डीएफओ से बातचीत समाप्त करते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा— यहां कोई नेता नहीं है, आप मुझे भी आदिवासी ही मान लो। मंच पर सिर्फ दिग्विजय सिंह की पत्नी अमृता सिंह और पूर्व विधायक कैलाश कुंडल की पत्नी राजकुमारी कुंडल ही बैठीं। करीब 45 मिनट तक कार्यक्रम में रहे दिग्विजयसिंह एक बार भी कुर्सी पर नहीं बैठे। इस दौरान दिग्विजय सिंह ने आदिवासियों की भोपाल पदयात्रा के अगुआई करने वाले और इस कार्यक्रम के सूत्रधार राहुल इनानिया के अलावा किसी अन्य स्थानीय नेता को ज्यादा महत्व नहीं दिया।

इन गांवों से पहुंचे पार्टी सदस्य

भिलाई, कोलारी, सातल, ओंकारा, कंकड़दी, नंदादाई, उतवाली, चीकालपट, सागोनिया, कालीबाई, खिवनी खुर्द, पटरानी, निवारदी, मचवास आदि गांवों से आए आदिवासी, कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

बेटी की मौत, शव ले जाने के नहीं थे पैसे

बिलख पड़े मां-बाप, बोले- एंबुलेंस का किराया नहीं है, मदद कर दीजिए

न्यूज क्राइम फाइल

बेटी की मौत के बाद शव ले जाने के लिए एंबुलेंस का किराया नहीं होने पर मां-बाप बिलख पड़े। बोले- मध्यप्रदेश में घर तक बॉडी ले जाने के लिए पैसे नहीं है। मदद कर दीजिए। मामला टोंक के जनाना हॉस्पिटल का गुरुवार दोपहर करीब 12:ग30 बजे का है। इसका वीडियो भी सामने आया है। मध्यप्रदेश के श्योपुर निवासी जुगराज अपनी पत्नी संपू और ढाई साल की बेटी प्रिया के साथ जैसलमेर स्थित बाबा रामदेवरा के दर्शन करने जा रहे थे। परिवार बाइक से धोक लगाने जा रहा था। टोंक के उनियारा में प्रिया की तबीयत खराब हो गई। इस बीच एक रिश्तेदार बाइक लेकर मध्य प्रदेश निकल गया। बच्ची को उनियारा हॉस्पिटल में इलाज के लिए सुबह 8 बजे भर्ती किया गया।द बच्ची की गंभीर हालत को देखते हुए उसे टोंक के जनाना हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। दोपहर 12 बजे जनाना अस्पताल पहुंचने पर बच्ची की जांच की गई। उसे जयपुर रेफर किया गया, हालांकि इसके कुछ मिनट बाद उसकी मौत हो गई। हॉस्पिटल प्रबंधन ने बच्ची की मौत के बाद मां-बाप को शव सौंप दिया। इसके बाद दोनों के पास पैतृक गांव तक एंबुलेंस से शव ले जाने के लिए किराया नहीं था। इसके कारण दोनों हॉस्पिटल के मेन गेट की सीढ़ियों पर शव को गोदी में रखकर बिलख पड़े। दंपती को लेकर लोग सड़क पर बैठ गए और रास्ता जाम कर प्रदर्शन किया। लोगों ने हॉस्पिटल प्रबंधन को घटनाक्रम की सूचना दी। दोनों की हालत देखकर दूसरे लोगों ने

उन्हें कुछ पैसे देकर मदद की, लेकिन यह मदद शव को एंबुलेंस से घर तक जाने के लिए काफी नहीं थी। जानकारी पर स्थ्रू हुक्मीचंद ने क्व्ह्र हनुमान प्रसाद बैरवा से बात की। इसके बाद एसडीएम ने पैसे देकर एंबुलेंस की व्यवस्था की। उसके बाद दोपहर करीब 3 बजे शव रवाना किया जा सका।

कांग्रेस व RJD के मंच से यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी की पूज्य माताजी के लिए जिस अभद्र व अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया गया है उससे यह स्पष्ट है कि इन पार्टियों का नैतिक रूप से पतन हो चुका है।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

बीजेपी ने कहा- सीएम का पहले से मन था

एमपी में ओबीसी आरक्षण पर राजनीतिक दल साथ

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने पर सभी राजनीतिक दल एक मत हो गए हैं। हालांकि, अब श्रेय की लड़ाई शुरू हो गई है। कांग्रेस कह रही है कि हमने लड़ाई लड़ी, इसलिए सरकार सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन याचिका पर जल्द निर्णय पर बात कर रही है। वहीं, बीजेपी का कहना है कि सीएम डॉ. मोहन यादव पहले ही मन बना चुके थे। मुख्यमंत्री ने ओबीसी आरक्षण पर गुरुवार को सीएम हाउस में सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। बैठक के बाद उन्होंने कहा- हम सभी एकमत हैं और सभी चाहते हैं कि ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन प्रकरण में निर्णय जल्द आए, ताकि सभी बच्चों को आयु सीमा खत्म होने के पहले लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि 14 प्रतिशत क्लियर है और 13 प्रतिशत होल्ड है।

सीएम बोले- 10 सितंबर से पहले बैठक कर लें वकील

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर सभी ने विधानसभा में भी अपना बात रखी थी और समर्थन दिया था। इसी पर चर्चा के लिए आज बैठे थे। सुप्रीम कोर्ट में अलग-अलग प्रकरण चल रहे हैं। जिनमें कोर्ट 22 सितंबर से डे-टू-डे सुनवाई करेगा। हमने सभी के एक फोरम पर आने और इसी में विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका में शामिल होकर इसे क्रियान्वित करने के समुचित प्रयास करने का संकल्प पारित किया है। यह भी तय किया है कि इस मामले से जुड़े सभी वकील 10 सितंबर से पहले सामूहिक रूप से बैठकर बात कर लें। हम चाहते हैं कि 13 प्रतिशत होल्ड आरक्षण पर कोर्ट जल्दी से जल्दी निर्णय देता है तो ऐज लिमिट से बाहर हो रहे 13 प्रतिशत अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ मिल जाए। कई विभागों में भर्ती की है लेकिन अब एक भी बच्चा बच न पाए, ये सभी दलों की भावना है। मुख्यमंत्री ने कहा- MPPSC के वकीलों का पैनल बदला जाएगा। बता दें कि मध्यप्रदेश लोकसभा आयोग ने 13% होल्ड पदों वाले अभ्यर्थियों की याचिका को खारिज करने के लिए काउंटर एफिडेविट दिया था, जिसे MPPSC ने बुधवार को वापस ले लिया है।

बीजेपी: सांसद बोले- कानून पर स्टे नहीं

बैठक में बीजेपी सांसद गणेश सिंह ने कहा- सिर्फ एक ही मामले में एडीपीओ वाली पोस्ट पर स्टे है। बाकी किसी मामले में कोई स्टे नहीं है। कानून पर भी स्टे नहीं है तो इसे लागू क्यों नहीं किया जा रहा? इस पर मुख्य सचिव अनुराग जैन और बैठक से वर्चुअली जुड़े महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा- एडीपीओ की पोस्ट के लिए जो विज्ञापन जारी हुआ था, उसमें रोस्टर को भी कोर्ट में चैलेंज किया गया था। रोस्टर पर भी स्टे है इसलिए हम 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का क्रियान्वयन नहीं कर पा रहे हैं।

कांग्रेस: सरकार की कथनी और करनी में अंतर

सर्वदलीय बैठक के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, सांसद अशोक सिंह, कमलेश्वर पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि आज की बैठक खोदा पहाड़ निकली चुहिया जैसी थी। सिंघार बोले- कांग्रेस और भाजपा के वकील साथ में बैठने तैयार हैं। सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। कांग्रेस के बनाए घर में नारियल फोड़कर श्रेय लेना चाहते हैं। किसी के हित की बात हो तो राजनीति नहीं करनी चाहिए। जल्द से जल्द आरक्षण का रास्ता साफ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैठक में मुख्यमंत्री जी ने कई पेचीदगी बताईं। उसे लेकर हमारे नेताओं ने सुझाव दिए। मामला विधानसभा में लाकर लोकसभा में प्रस्ताव भेजा जाए।

आरक्षण दिलाने की जिम्मेदारी सरकार की

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने बैठक के बाद कहा- 27 प्रतिशत आरक्षण सालों से पेंडिंग था। 2019 में हम सरकार में आए और उसे लागू किया। 2003 से 2025 के बीच भाजपा के 4 मुख्यमंत्री बने। किसी ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया क्योंकि नीयत में खोट था। बैठक में फैसला हुआ है कि पिछड़ों का हक 27 प्रतिशत आरक्षण उन्हें दिलाएं। हम सरकार से कहना चाहते हैं कि नीयत ठीक है तो पिछड़ों का आरक्षण दिलाने की जिम्मेदारी आपकी है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा- सरकार ने जो पाप किया है, उसे छुपाने की कोशिश की है। भाजपा, शिवराज जी और मोहन यादव के कारण ही यह अभी तक रुका है। हमने कहा था कि विधानसभा नहीं चलने देंगे। एमपीपीएससी के माध्यम से कोर्ट में आवेदन देने की बात पर उन्होंने माफी मांगी। वहीं, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह बोले- सहमति इस पर बनी है कि कोर्ट में सभी मिलकर अपना पक्ष रखें। कांग्रेस की मांग यह भी रही कि इन सालों में आरक्षण का लाभ न मिलने से करीब 1 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसके लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए। इस बैठक के बाद तय हुआ है कि पिछड़े वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण कैसे मिले, इस पर काम करें।

सरकार नाक रगड़कर माफी मांगे

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बैठक से पहले मीडिया से कहा कि जिन लोगों ने गड़बड़ की, क्या उनको सजा मिलेगी? पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, बीजेपी सरकार ने कांग्रेस द्वारा दिए आरक्षण को क्यों रोका? इसके लिए सरकार नाक रगड़कर माफी मांगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार सरदारी बैठक की बात कर रही है। मैं समझता हूं कि गणेश चतुर्थी पर सरकार और डॉ. मोहन यादव को सद्बुद्धि आई। 6 साल पहले कमलनाथ जी की सरकार में आदेश हुआ था, अध्यादेश आया था। इस तरह से पुराने घर में नारियल फोड़कर 27 प्रतिशत आरक्षण का गृह प्रवेश कर रहे हैं। सर्वदलीय बैठक की आवश्यकता तब पड़ती है जब विवाद हो, आपस में समन्वय न हो। कांग्रेस तो पहले से ही तैयार है। कांग्रेस ही अध्यादेश और कानून लेकर आई थी। अब बैठक में देखते हैं क्या होता है।

सरकार अपने ही बुने जाल में फंस रही

बैठक से पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने X पर लिखा- ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर प्रदेश सरकार बार-बार अपने ही बुने जाल में फंस रही है। सर्वदलीय बैठक बुलाना भी जनता को गुमराह करने का षड्यंत्र है। जब कांग्रेस सरकार पहले ही 27% आरक्षण लागू कर चुकी है, तो सर्वदलीय बैठक की जरूरत ही क्यों? यह साफ है कि सरकार ओबीसी समाज को बरगलाने और भ्रमित करने की कोशिश कर रही है।

आप: आरक्षण का रास्ता भी निकलना चाहिए

आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने कहा- 27 प्रतिशत आरक्षण तो प्रदेश में लागू हो गया था। यह ओबीसी का हक है और उसे मिलना ही चाहिए। केंद्र-राज्य में बीजेपी सरकार है। चाहे तो 27 प्रतिशत आरक्षण हो सकता है लेकिन वह लटकाए हुए हैं।

सपा: मुख्यमंत्री कह रहे कि डंके की चोट पर देंगे, तो देते क्यों नहीं?

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने कहा- पिछड़े वर्ग को आबादी के हिसाब से 52 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए और सरकार 14 प्रतिशत दे रही है। 13 प्रतिशत होल्ड आरक्षण तत्काल प्रभाव से लागू करें। जिला और हाईकोर्ट में सरकारी वकीलों की नियुक्ति में पिछड़े वर्ग को आरक्षण मिलना चाहिए। जिलेवार रोस्टर लागू हो।

आज मैं अपने खेत में खड़ा हूँ। यहाँ ḥष्ट्रक्रके वैज्ञानिकों के साथ शिमला मिर्च, टमाटर और धान की फसल देखी। हमने खेत में क्क्क 1885, क्क्क1637 और क्क्क1 वैरायटी की धान लगाई है, जो पूसा ने विकसित की है।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

हम सिर्फ सलाह देते हैं; भाजपा-आरएसएस में मतभेद हो सकते, मनभेद नहीं

भागवत बोले- संघ सरकार के फैसले नहीं लेता हैं

संदीप कुमार सिंह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा- भाजपा और संघ में कोई विवाद नहीं है। हमारे भाजपा सरकार ही नहीं सभी सरकारों के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। हमारे बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं हैं। सरकार में फैसले लेने के सवाल पर भागवत ने कहा कि यह कहना गलत है कि सरकार में सब कुछ संघ तय करता है। हम सलाह दे सकते हैं, लेकिन फैसले वे ही लेते हैं। हम तय करते तो इतना समय नहीं लगता। संघ प्रमुख, प्रधानमंत्री से छह दिन पहले 75 वर्ष के हो जाएंगे। 75 साल की उम्र में रिटायर होने के सवाल पर भागवत ने कहा, मैंने कभी नहीं कहा कि मैं रिटायर हो जाऊंगा या किसी और को 75 साल की उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए। हम वही करेंगे जो संघ हमें कहेगा। पीएम-सीएम को जेल जाने पर पद से हटाने वाले नए बिल पर संघ प्रमुख ने कहा कि नेतृत्व-नेताओं की छवि साफ होना चाहिए। इस पर कानून बने या नहीं, ये संसद तय करेगी। आरएसएस के 100 साल पूरे होने पर दिल्ली के विज्ञान भवन में तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज कार्यक्रम का आखिरी दिन था, जिसमें प्रश्नोत्तर सत्र हुआ।

● अन्य राजनीतिक दलों के साथ संबंध: प्रणव मुखर्जी जब संघ के मंच पर आए तो संघ के प्रति उनकी गलतफहमी दूर हो गई थी। अन्य राजनैतिक दलों के भी मन परिवर्तन हो सकते हैं। अच्छे काम के लिए जो मदद मांगते हैं उन्हें मदद मिलती है। और यदि हम मदद करने जाते हैं और जो मदद नहीं लेना चाहते उन्हें मदद नहीं मिलती।

● हिंदू-मुस्लिम एकता पर: नाम और शब्दों के झगड़े में हम नहीं पड़ते। इन शब्दों के कारण हिंदू-मुस्लिम की भावना आ गई है। हिंदू-मुस्लिम एकता की जरूरत नहीं है ये तो पहले से एक हैं। इनकी सिर्फ पूजा बदली है। लेकिन जो डर भर दिया है कि ये लोग रहेंगे तो क्या होगा, इतनी लड़ाई हुई, अत्याचार हुआ इतने कत्लेआम हुए, देश भी टूटा।

● डेमोग्राफी में बदलाव पर: डेमोग्राफी की चिंता है। ये बदलती है तो देश का बंटवारा होता है। चिंता इसलिए भी होती है कि जनसंख्या से ज्यादा इरादा क्या है। धर्म अपनी चॉइस है। लोभ-लालच से धर्म नहीं बदला जाना चाहिए, इसे रोकना है।

● घुसपैठ पर: ये सच है कि हमारा सबका डीएनए एक है। लेकिन देश अलग-अलग होते हैं। यूरोप में भी तीन-चार देश ऐसे हैं जिनके डीएनए एक हैं। लेकिन डीएनए एक होने का मतलब ये नहीं कि घुसपैठ की जाए, नियम-कानून तोड़कर नहीं आना चाहिए। परमिशन लेकर ही आना चाहिए। घुसपैठ को रोकना चाहिए। इसके लिए सरकार कोशिश कर रही है।

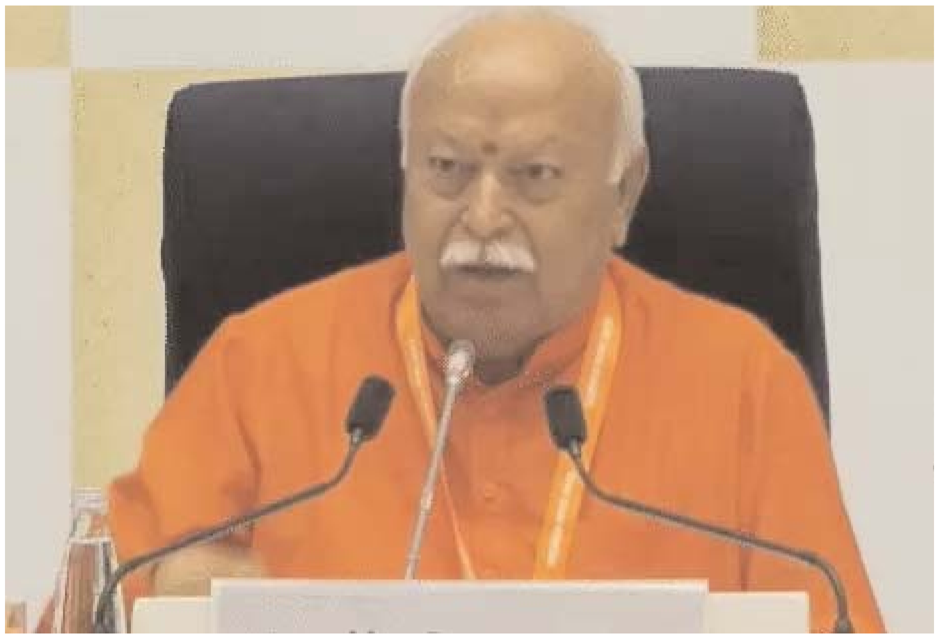

● शहरों-रास्तों के नाम बदलने पर: शहरों और रास्तों के नाम बदलना वहां के लोगों की भावना के हिसाब से होना चाहिए। आक्रांताओं के नाम नहीं होने चाहिए। इसका मतलब ये नहीं कि मुसलमान का नाम नहीं होना चाहिए। अखंड भारत पर- अखंड भारत एक राजनीतिक विचार नहीं है, क्योंकि अखंड भारत जब था तब भी अलग अलग राजा थे लेकिन जनता किसी भी राज्य में जाकर नौकरी करता था और जीवनयापन करता था। अखंड भारत की भावना फिर से आ जाएगी तो सब सुखी रहेंगे और दोस्त बढ़ जाएंगे। अखंड भारत है ये समझकर हमको चलना चाहिए।

● काशी-मथुरा आंदोलन पर: संघ किसी आंदोलन में नहीं जाता। सिर्फ राम मंदिर आंदोलन में शामिल हुए और उसे अंत तक ले गए। बाकी आंदोलनों में संघ नहीं जाएगा, लेकिन हिंदू मानस में काशी-मथुरा और अयोध्या तीनों का महत्व है। इसलिए हिंदू समाज इसका आग्रह करेगा।

● हथियार बढ़ाने पर: संघ शांति की बात करता है, हम बुद्ध के देश हैं। लेकिन हथियार बढ़ाने का मतलब युद्ध करना नहीं है खुद की रक्षा करना भी है। क्योंकि दुनिया के सभी देश बुद्ध के देश नहीं हैं।

ममता बोलीं- भाजपा का फैलाया भाषायी आतंक बर्दाश्त नहीं

न्यूज क्राइम फाइल

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वे किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी। भाजपा बंगालियों पर भाषायी आतंक फैला रही है। बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने वोटर लिस्ट से मतदाताओं के नाम हटाने के मकसद से करवाए जा रहे सर्वे के लिए दूसरे राज्यों से 500 से ज्यादा टीमें बंगाल में भेजी हैं। ममता ने कहा- लेकिन जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी मताधिकार नहीं छीनने दूंगी। आप खुद जांच करें कि आपका नाम अभी भी लिस्ट में है या नहीं। ममता कोलकाता में तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के स्थापना दिवस पर बोल रही थीं। पश्चिम बंगाल सीएम ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। लेकिन उसका अधिकार क्षेत्र

केवल चुनाव के दौरान तीन महीनों के लिए है, पूरे साल के लिए नहीं।

ममता ने पूछा- बंगाली भाषा ही नहीं तो राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत कैसे बना

बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। ममता बोलीं- अगर बंगाली भाषा ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस भाषा में लिखे गए हैं? उन्होंने कहा- वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की ऐतिहासिक भूमिका को भूल जाएं। हम इस भाषायी आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनके पूर्वज अंग्रेजों के एजेंट थे जिन्होंने जेलों से बाहर निकलने के लिए वचन दिए थे।

अभिषेक का चैलेंज- भाजपा में दम तो 50 सीटें जीत कर दिखाए

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से बंगाल नहीं जीत सकती, इसलिए वे मतदाता सूची में छेड़छाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623